**सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005**

बाइरैक सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में दी गई परिभाषा के अनुसार एक लोकप्राधिकरण है और यह अपनी कार्यशैली में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए वचनबद्ध है। बाइरैक संगठन की वेबसाइट पर "सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005" की भावना और प्रावधानों के अनुरूप उक्त सूचना प्रदान करने का प्रयास करता है। कोई भी भारतीय नागरिक यह सूचना स्वतंत्रतापूर्वक ले सकता है और आरटीआई अधिनियम के तहत परिभाषित सूचना प्राप्त कर सकता है। बाइरैक से सूचना पाने के लिए आवेदन निम्नलिखित प्रक्रिया द्वारा सीपीआईओ को संबोधित किया जा सकता है जैसा कि अधिनियम में बताया गया है और इसका पता इस प्रकार है :

सुश्री कविता आनंदनी
सीपीआईओ

**जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)**
पहला तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली -110003
**टेली .:** + 91-11-24389600

अपील प्राधिकारी होंगे :
डॉ. रेणु स्वरूप
प्रबंध निदेशक
**जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)**
पहला तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली -110003

**<u>संगठन संरचना</u>**

बाइरैक जैव प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक सार्वजनिक क्षेत्र इकाई है और इसे भारत सरकार ने कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत एक धारा 25 'अलाभकारी कंपनी' के रूप में पंजीकृत कराया है। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के लिए एक इंटरफेस एजेंसी के रूप में बाइरैक का लक्ष्य वित्तीय, मूल संरचनात्मक, संस्थागत और मेंटरिंग सहायता देकर नवाचार से प्रेरित अनुसंधान को पोषण और प्रोत्साहन देने की अनोखी विधियों का अनुप्रयोग करना है। बाइरैक वहनीय उत्पाद विकास के लिए सशक्तीकरण के लक्ष्य को पूरा करने और बायोटेक नवाचार पारिस्थितिक तंत्र को सक्षम बनाने की दिशा में कार्य करता है।

बाइरैक का केन्द्रीय मिशन जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक विकास एजेंसी के तौर पर कार्य करना है, जो बॉटम अप प्रतिस्पर्द्धी अनुदान मार्ग या टॉप डाउन उत्पाद विकास कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा समस्याओं की राष्ट्रीय जरूरतों को संबोधित करती है। इसे अर्जित करने के लिए संगठन के पास विविध दल होंगे और इसकी प्रचालनात्मक पारस्परिकता की पुष्टि होती है।

चूंकि यह अपने प्रकार का एक अनोखा संगठन है, इसे एक अत्यंत विशेष और विशिष्ट शासन संरचना की जरूरत है ताकि सफल और प्रभावी कार्य किया जा सके। अत: इसमें यहां दी गई विशिष्ट संरचना है :

- इसका केन्द्रीय कार्य खोज प्रौद्योगकियों, उत्पाद विकास / ट्रांसलेशनल चरणों तथा विभिन्न क्षेत्रों जैसे जन स्वास्थ्य, कृषि और हरित प्रौद्योगिकी तथा औद्योगिक प्रक्रम में प्रौद्योगिकी प्रसार के लिए समर्थन प्रदान करना है। अत: बाइरैक में इस मिशन को पूरा करने के लिए क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों प्रकार के दल हैं।
- ये स्तंभ जैव प्रौद्योगिकी उत्पाद विकास के विभिन्न चरणों को संबोधित करते हैं, पार्श्व दल, अंतर विषयक समूहों (जैसे स्वास्थ्य देखभाल, कृषि, हरित प्रौद्योगिकी) में कार्य करते हैं, जो एक विशेष उत्पाद पर केन्द्रित हैं और खोज से प्रसार के चरण तक इन्हें देखा जा सकता है।
- ऐसे समूह हैं जैसे निवेश, विशेष सेवाएं, सामरिक भागीदारी और उद्यमशीलता विकास, जो इसके केन्द्रीय कार्य को समर्थन देते हैं।
- क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह, जहां विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ / वैज्ञानिक हैं, जो तकनीकी समर्थन समूह के रूप में कार्य करते हैं और तकनीकी दिशानिर्देश प्रदान करते हैं।
- यह प्रस्तावित है कि संगठन के अंदर एक विचार उत्पादन / नीति इकाई स्थापित की जाए जिसमें एडजंक्ट सलाहकारों के तौर पर क्षेत्र के विशेषज्ञ कार्य करें। ये विशेषज्ञ संगठन के केन्द्रीय कार्य को समर्थन प्रदान करें।
- इसमें समर्थन सेवा समूह, जैसे मानव संसाधन और प्रशासन, वित्त, कॉर्पोरेट कार्य और कानूनी समूह हैं, जो बाइरैक को सुचारू रूप से चलाने के लिए अनिवार्य और महत्वपूर्ण हैं।
- इनमें से प्रत्येक समूह उनकी गतिविधियों में एक दूसरे को समर्थन देते हैं और विभिन्न गतिविधियों के लिए आवश्यक अंतर तथा अंतरा दल सहयोग और सहायता प्रदान की जाती है।
- प्रत्येक दल का नेतृत्व एक दल नेता या प्रमुख करते हैं और सदस्यों को आवश्यकता तथा विशेषज्ञता के अनुसार लाया जाता है।
- प्रत्येक दल के दल नेता / प्रमुख को रिपोर्टिंग के स्तर के अनुसार प्रमुखों / या संबंधित निदेशकों को रिपोर्ट करना होगा।

बाइरैक के सभी कर्मचारियों को विभिन्न स्तरों पर संविदात्मक आधार (सेवा की संविदा) पर और उनकी योग्यता तथा अनुभव के आधार पर बैंड में नियुक्त किया जाता है। आरंभिक संविदाएं तीन वर्ष की अवधि के लिए होती हैं, जिसके बाद 4 वर्ष और 5 वर्ष के लिए नवीकरण किया जाता है।

दल के इन सदस्यों को एक विशेष स्तर पर और उनकी योग्यता तथा अनुभव के आधार पर बैंड में नियुक्त किया जाएगा। प्रत्येक स्तर पर बाइरैक के कर्मचारियों को वृद्धि का मार्ग प्रदान करने के लिए विभिन्न बैंडों का प्रस्ताव किया जाता है, जबकि पदानुक्रम को बढ़ाए बिना संरचना को एक जैसा रखा जाता है।

| स्तर | बैंड | मासिक सीटीसी न्यूनतम (निश्चित + अधिकतम चर) (भारतीय रुपए में) | मासिक सीटीसी अधिकतम (निश्चित + अधिकतम चर) (भारतीय रुपए में) |
|---|---|---|---|
| **स्तर 6** | बैंड 2 | 1,67,000 | 1,95,000 |
| | बैंड 1 | 1,50,000 | 1,75,000 |
| **स्तर 5** | बैंड 2 | 1,30,000 | 1,55,000 |
| | बैंड 1 | 1,15,000 | 1,35,000 |
| **स्तर 4** | बैंड 2 | 1,05000 | 1,20,000 |
| | बैंड 1 | 92,000 | 1,10,000 |
| **स्तर 3** | बैंड 2 | 82,000 | 95,000 |
| | बैंड 1 | 75,000 | 86,000 |
| **स्तर 2** | बैंड 2 | 65,000 | 74,000 |
| | बैंड 1 | 57,000 | 67,000 |
| **स्तर 1** | बैंड 2 | 46,000 | 56,000 |
| | बैंड 1 | 38,000 | 48,000 |

- समर्थन कर्मचारी जैसे सचिव, डेटा एंटी ऑपरेटर, सहायक को तीन वर्ष के संविदात्मक करार पर 'सेवा हेतु संविदा' पर लिया जाएगा।

दक्षता आधारित आकलन पैरामीटर प्रत्येक स्तर के लिए निश्चित किए गए हैं। चूंकि बाइरैक एक विशेष संरचना के साथ एक अनोखा संगठन है, जहां एक दल अन्य दल पर निर्भर होगा और इसके संसाधन अधिकांशत: किसी परियोजना पर निर्भर करेंगे। बाइरैक कार्य दल में विभिन्न समूहों के सदस्य होंगे और इन्हें विभिन्न स्तरों पर अपने क्षेत्र / कार्य के क्षेत्र में विशेषज्ञ कार्य सौंपे जाएंगे और ये समय पर सौंपे गए कार्य पूरे करने, अंतर दल सहयोग और अन्य दलों के साथ उत्तम कार्य संबंधों को बनाने के लिए जिम्मेदार होंगे। संगठन की संरचना के आधार पर बाइरैक के लिए एक विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली बनाई गई है, जहां स्तरवार रिपोर्टिंग नहीं होगी, बल्कि यह कार्यात्मक समूह पर आधारित होगी। चूंकि बाइरैक एक विशेष संरचना के साथ एक अनोखा संगठन है, जहां एक दल अन्य दल पर निर्भर होगा और इसके संसाधन अधिकांशत: किसी परियोजना पर निर्भर करेंगे, अत: विशेषज्ञसेवा समूह के कार्यकारी निवेश समूह के साथ कार्य करेंगे और इसके बाद आबंटित समय के लिए उनके निष्पादन का मूल्यांकन दल प्रमुख / निवेश समूह के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

कर्मचारियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि के साथ निर्धारित मूल वेतन पाने की पात्रता होगी। नम्य लाभ घटक में शामिल होंगे : गृह किराया भत्ता, चिकित्सा और कार रखरखाव के लिए प्रतिपूर्ति, टेलीफोन व्यय और यात्रा अवकाश भत्ता। बाइरैक के कर्मचारियों को अतिरिक्त लाभ भी दिए जाएंगे जैसे चिकित्सा बीमा, भविष्य निधि और उपदान।

## <u>परियोजना प्रबंधन इकाई :</u>

केन्द्रीय संख्या में अन्य आवश्यकता आधारित / परियोजना आधारित इकाइयां शामिल नहीं हैं। यदि एक आवश्यकता आधारित परियोजना प्रबंधन इकाई का गठन बड़ी भागीदारी के लिए किया जाता है तो एक प्रारूपिक इकाई संरचना बनाई जाएगी और पदों की संख्या आवश्यकताओं पर आधारित होगी। इन इकाइयों में एक तकनीकी इकाई के अंदर पूरी संरचना होगी तथा वित्त और कानूनी इसके अविभाज्य भाग होंगे। यह इकाई एक आवश्यकता आधारित आधार पर होगी और इन लोगों को मुआवज़ा प्रस्तावित किया जाएगा तथा संविदा दल का निर्णय प्रबंधन द्वारा किया जाएगा। इन इकाइयों में नियुक्ति होने वाले लोगों की संख्या आवश्यकताओं के आधार पर होगी, जिन्हें आंतरिक तौर पर और आवश्यकता होने पर बाइरैक द्वारा ज्ञात किया जाएगा। निष्पादन प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से एक सुपरिभाषित कैरियर वृद्धि योजना का विकास किया गया है। आवश्यकता आधारित इकाइयों या परियोजना विशिष्ट इकाइयों की स्थापना कुछ परियोजनाओं के लिए आवश्यकता के आधार पर की जाएगी, जिन्हें अलग अलग या सहयोगात्मक रूप से बाइरैक द्वारा लिया जाएगा। इन इकाइयों के लिए दलों की संविदा बाइरैक द्वारा विशिष्ट समय अवधि केलिए की जाएगी। इन 'सेवा के लिए संविदा' प्रत्याशियों को आवश्यकता के आधार पर या विशिष्ट परियोजना के लिए नियुक्त किया जाएगा और इन्हें संगठन में अपनी सेवाओं के भुगतान के तौर पर एक मुश्त राशि दी जाएगी।

बाइरैक के कर्मचारियों के लिए मुआवजे की संरचना यह सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है कि अच्छे उत्पादन को पुरस्कृत किया जाए और कार्य स्थल पर स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा का वातावरण बनाया जाए।

संगठन में समग्र प्रशासनिक संरचना नीचे आरेख में बताई गई है।

**<u>अधिकारी और बाइरैक के कर्मचारी</u>** : डॉ विजय राघवन, अध्यक्ष, बाइरैक
डॉ. रेणु स्वरूप, प्रबंध निदेशक, बाइरैक

| समूह / प्रभाग | नाम | पद |
|---|---|---|
| | डॉ. संजय सक्सेना | प्रमुख निवेश |

| | | |
|---|---|---|
| **निवेश** | सुश्री सोनिया गांधी | परियोजना प्रबंधक निवेश |
| | प्राची कौशिक | परियोजना अधिकारी |
| | सुश्री मांडवी तिवारी | परियोजना अधिकारी |
| | डॉ. नूतन | परियोजना अधिकारी |
| | डॉ. हरशिमरन कौर | परियोजना अधिकारी |
| **तकनीकी** | डॉ. पी के एस शर्मा | प्रमुख - तकनीकी |
| | डॉ. अमिता जोशी | वरिष्ठ प्रबंधक तकनीकी |
| | डॉ. शिल्पी गुप्ता | वरिष्ठ प्रबंधक तकनीकी |
| | डॉ. ज्योति शुक्ला | वरिष्ठ प्रबंधक तकनीकी |
| | डॉ. धीरज कुमार | प्रबंधक तकनीकी |
| **विशेष सेवा** | श्री. रजनीश कुमार | वरिष्ठ परियोजना प्रबंधक - आईपी एवं प्रौद्योगिकी स्थानांतरण |
| | डॉ. विनीता जिंदल | वरिष्ठ प्रबंधक - आईपी और प्रौदयोगिकी |
| | श्री. अमित कटियार | परियोजना प्रबंधक - आईपी एवं प्रौदयोगिकी स्थानांतरण |
| **एसपीईडी** | डॉ. सत्यप्रकाश दास | प्रमुख - एसपीईडी |
| | श्री. अंकुर गुप्ता | व्यवसाय विकास प्रबंधक |
| | सुश्री कीर्ति तनेजा | उदयमशीलता विकास |
| **वित्त विभाग** | सुश्री ललिता बालाकृष्णन | प्रमुख - वित्त एवं लेखा |
| | श्री. नंद किशोर | वरिष्ठ वित्त अधिकारी |
| | सुश्री भावना नागपाल | प्रबंधक वित्त |
| | श्री. अविनाश गुप्ता | वरिष्ठ प्रबंधक - वित्त एवं लेखा |
| | श्री. त्रिलोक माथुर | प्रबंधक - वित्त एवं लेखा |
| | श्री शारिक सुहैल | वित्त एवं लेखा अधिकारी |
| **कंपनी और कानूनी** | सुश्री कविता आनंदनी | कंपनी सचिव |
| | सुश्री जया सीताराम | नैगम कार्य प्रबंधक |
| | सुश्री भावना सिंह | कानूनी अधिकारी |
| **मानव संसाधन और प्रशासनिक** | सुश्री नमिता खरे | वरिष्ठ प्रबंधक (प्रशासनिक एवं मानव संसाधन) |
| | सुश्री जाह्नबी चौधरी | प्रशासनिक अधिकारी |
| | श्री. अमरनाथ शुक्ला | आईटी अधिकारी |
| **पीएमयूबीएमजीएफ** | सुश्री अर्शी महबूब | कार्यक्रम अधिकारी |
| | श्री रीतेश कुमार जायसवाल | प्रशासनिक और वित्त अधिकारी |

**<u>रिपोर्टिंग संरचना</u>**

बाइरैक की संगठनात्मक संरचना बहुत विशेष प्रकार की है, क्योंकि यह देश में अपने प्रकार का एक अनोखा संगठन है। संगठन की संरचना के आधार पर बाइरैक के लिए एक विशेष रिपोर्टिंग प्रणाली का विकास किया गया है, जहां दल के सभी सदस्य अपने स्तर को विचार में लिए बिना किसी स्तर के अनुसार रिपोर्टिंग नहीं करेंगे, वे दल प्रमुख / समूह के अध्यक्ष को रिपोर्ट करेंगे। दल प्रमुख / अध्यक्ष व्यक्ति के अनुभव, योग्यता और इस के आधार पर निर्णय लेंगे कि इस कार्य के लिए कौन सबसे अधिक उपयुक्त है।

दल का नेतृत्व स्तर 4 या स्तर 5 के व्यक्ति द्वारा किया जाता है, जो उस दल की गतिविधियों को पूरा करने, तय लक्ष्यों को पूरा करने, वित्तीय प्रदायगी तथा जनशक्ति के अनुकूलतम उपयोग एवं उनके दल के निष्पादन मूल्य निरूपण के लिए जिम्मेदार होंगे।

दल में विभिन्न स्तरों पर अन्य सदस्य होंगे, जिन्हें अपने कार्य क्षेत्र में विशेष कार्य सौंपे जाते हैं और जो सौंपे गए कार्यों को समय पर, अंतर दर सहयोग एवं अन्य दलों के साथ उत्तम कार्य संबंध विकास करने के लिए जिम्मेदार है।

चूंकि एक दल अन्य दल पर निर्भर होगा और इसके संसाधन अधिकांशत: किसी परियोजना पर निर्भर करेंगे, अत: विशेषज्ञसेवा समूह के कार्यकारी निवेश समूह के साथ कार्य करेंगे और इसके बाद आबंटित समय के लिए उनके निष्पादन का मूल्यांकन दल प्रमुख / निवेश समूह के अध्यक्ष द्वारा किया जाएगा।

**निदेशक मंडल**

बाइरैक के निदेशक मंडल में निम्नलिखित शामिल हैं :

1. अध्यक्ष
2. प्रबंध निदेशक
3. चार स्वतंत्र निदेशक
4. सरकार के एक नामित व्यक्ति

बोर्ड कंपनी सचिव द्वारा सेवित है।